Marwari College, Darbhanga
Hand written lecture (6)
By
Dr. S. K. Suman, Asst. Prof, Dept of Psychology.

For-
Class- B.A. Part-I, Psychology(H), Paper-I
Unit-04, Learning, Topic - Observational learning
Sub topic - Experiment on Bobo Doll
Modeling Process & factors and characteristics of observational Learning.

Albert Bandura and the Bobo Doll:-

बच्चे अपने आस-पास के लोगों के व्यवहार को विभिन्न तरीकों से प्रेक्षण (observe) करते हैं। इसकी प्रमाणिकता के लिए अमेरिका के मनोवैज्ञानिक अलबर्ट बैण्डुरा द्वारा 1961 में बोबो गुड़िया पर प्रयोग किया गया। बोबो गुड़िया हवा से भरा एक बड़ा सा गुड्डा (खिलौना) पर किये गये इस प्रयोग में नर्सरी के छात्रों के दो समूह लिए गए। प्रथम समूह प्रयोगात्मक समूह था जिसमें एक वयस्क व्यक्ति द्वारा बच्चों के सामने बोबो डॉल के साथ आक्रमकता पूर्ण व्यवहार- मार-पीट, गालियाँ बक रहा है, नाक को मार-मार कर पिचड़ा कर दे रहा है। तथा दूसरा समूह नियंत्रित समूह था जिन्होंने यह देखा कि एक वयस्क व्यक्ति के द्वारा बोबो गुड़िया के साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार, प्रेम-दुलारपूर्ण व्यवहार सहृदयता से किया गया।

तत्पश्चात दोनों समूह के बच्चों को एकत्रित करके एक कमरे में बोबो डॉल के सामने उनको ले जाया गया। वहाँ देखने को मिला कि बच्चों द्वारा अलग-अलग

व्यवहार किये गये।

अर्थात् प्रथम समूह Experimental group द्वारा बोबो डॉल के साथ आक्रामकतापूर्ण एवं द्वितीय समूह (Controlled group) द्वारा बोबो डॉल के साथ सहयोगात्मक व्यवहार किया गया। ऐसा इसलिए हो रहा था क्योंकि वे वयस्क व्यक्ति (मॉडल) को बोबो गुड़िया के प्रति ऐसा ही व्यवहार करते हुए देख पाया। जैसा कि दोनों समूहों के बच्चों द्वारा ने वयस्क व्यक्ति को करते हुए देखा था ठीक वैसा ही व्यवहार बच्चे करते पाए गए।

प्रयोग के इस परिणाम से स्पष्ट होता है कि बच्चों को जैसा व्यवहार देखने को मिलता है वे ठीक वैसा ही व्यवहार करना सीख जाते हैं।

Process of observational learning

Stages or Steps in the Modeling process:

Steps of observational learning

बैण्डुरा के अनुसार निम्नांकित ऐसे कारक हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि प्रेक्षणात्मक कब और कितनी मात्रा में होगी।

(1) अवेक्षण (ध्यान) (Attention) :-

प्रेक्षणात्मक सीखने के लिए यह आवश्यक है

कि व्यक्ति दूसरे व्यक्ति या मॉडल जिसके व्यवहार का अनुकरण किया जाता है उस पर गौर से ध्यान दे। बैरोन के अनुसार प्रायः व्यक्ति उन्हीं व्यक्तियों या मॉडलों के व्यवहारों पर ध्यान देता है जो सुनिश्चित करता है जो उनके लिए अर्थपूर्ण एवं आकर्षक होते हैं।

2. धारण/स्मरण (Retention/Remembring) :-

प्रेक्षणात्मक सीखना के लिए सिर्फ यह आवश्यक नहीं है कि व्यक्ति मॉडल के व्यवहार पर ध्यान दे बल्कि यह भी आवश्यक है कि मॉडल द्वारा जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है उसे वह अपनी स्मृति में धारण रखे ताकि वह उसी के अनुरूप व्यवहार कर सके।

3. Reproduction Process (उत्पादन प्रक्रियाएँ) :-
(पुनरुत्पत्ति)

प्रेक्षणात्मक सीखना के लिए यह भी आवश्यक है कि व्यक्ति स्मृति में संचित व्यवहारों को कार्यरूप में परिणत कर सके। इसी प्रक्रिया को बन्डुरा ने उत्पादन प्रक्रिया की संज्ञा दिया है। स्मृति में संचित व्यवहारों को कार्यरूप देने के लिए अन्य बातों के अलावा दो बातें प्रमुख हैं। पहला तो यह कि स्मृति में संचित व्यवहार को कार्यरूप देने की शारीरिक

Scanned with CamScanner

वांछित व्यक्ति में ही तथा व्यक्ति में इस व्यवहार को मॉडल के व्यवहार के अनुसरण करने से समायोजन सम्बन्धी होने वाली क्रियाओं में विकास का तरीका मालूम हो।

4. Motivation (अभिप्रेरणा) :-

प्रेक्षणात्मक सीखना के उपयुक्त होने के कारणों में होने के अलावा व्यक्ति में अभिप्रेरणा का भी होना अनिवार्य है। यदि व्यक्ति में अभिप्रेरणा की कमी है तो वह मॉडल के व्यवहार को देखकर भी उसके अनुरूप व्यवहार करना नहीं चाहेगा। फलस्वरूप प्रेक्षणात्मक सीखना की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायेगी।

Contd.